tural graduates in Government Departments, Public Sector, Agricultural Universities and Banks, a large number of Non-Governmental Organisa-tipns (NGOs) are utilizing the services o'f agricultural scientists in the country. With the liberalization of economy, avenues have been created in private sector as well as for self-employment of agricultural graduates/ scientists in food processing, agri-exports, horticulture, fisheries and other allied fields.

मध्य प्रदेश में उर्वरकों की आवश्यकता

6569. **श्री अजीत जोगी :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश में उर्वरकों की अनुमानित आवश्यकता कितनी है ;

(ख) राज्य सरकार को अब तक उर्वरकों की कितनी मात्रा में आपूर्ति की गई है ;

(ग) क्या गत दो वर्षों की तुलना में राज्य सरकार को उर्वरकों की आपूर्ति में कमी आई है; और

(घ) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बलविन्दर नेताम) : (क) फास्फेटिक तथा पोटेशिक उर्वरकों पर 25-8-92 और कम विश्लेषण वाले नाइट्रोजनी उर्वरकों पर 10-6-94 से नियंत्रण हटने के परिणामस्वरूप, यूरिया ही केवल ऐसा उर्वरक है जो वैधानिक मूल्य नियंत्रण के अधीन है और जिसकी आवश्यकता का निर्धारण प्रत्येक फसल मौसम नामतः खरीफ (अप्रैल से सितम्बर तक) और रबी (अक्तूबर से मार्च तक) के पहले ही राज्य सरकारों और उर्वरक उद्योग के परामर्श से किया जाता है। तथापि, नाइट्रोजनी, फास्फेटिक तथा पोटेशिक उर्वरकों की संभावित आवश्यकता की जानकारी राज्य सरकारों से मौसम के पहले ही प्राप्त की जाती है। नीचे दी गई तालिका मध्य प्रदेश में खरीफ 95 मौसम के लिए यूरिया की निर्धारित आवश्यकता और अन्य नाइट्रोजनी, फास्फेटिक तथा पोटेशिक उर्वरकों की संभावित आवश्यकता को प्रस्तुत करती है :–

निर्धारित/संभावित आवश्यकता	(लाख टन)
1. यूरिया	6.10
2. अमोनियम सल्फेट	0.15
3. केल्शियम अमोनियम नाइट्रेट	0.01
4. डाइ-अमोनियम फास्फेट	2.25
5. सिंगल सुपर फास्फेट	4.00
6. म्यूरियेट आफ पोटाश	0.35
7. मिश्रण (कान्प्लैक्सेज)	1.07

रबी 95-96 मौसम के लिए यूरिया तथा अन्य नाइटोजनी, फास्फेटिक तथा पोटेशिक उर्वरकों की सम्भावित आवश्यकता का निर्धारण ऊपर उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार उचित समय पर किया जाएगा।

(ख) से (घ) नीचे दी गई तालिका से पता चलता है कि राज्य में पिछले दो वर्षों में यूरिया की आपूर्ति में कोई कमी नहीं आई है।

(लाख टन)

	उपलब्धता	खपत
1993-94	10.98	9.58
1994-95	11.55	9.83 (अनुमानित)

Experiment *to* preserve traditicraa! seeds

6570. SHRIMATI KAMLA SINHAi Will the Minister of AGRICULTURE be pieased to state:

(a) whether it is a. fact that a four-year-old experiment to preserve traditional seeds which were replaced since the by 'advanced' seeds popularised by Government bodies has come out with definite claims of a higher yield, more fodder, and a nutritious output in varying atmospheric conditions: